the लखनऊ टाइम्स.com

Korana Transition: 21 दिन का लाकडाउन कहां तक कारगर!

March 26, 2020 | 3 minutes read

डॉ.भरत राज सिंह
महानिदेशक (तकनीकी)
एसएमएस, लखनऊ

लखनऊ : पूरा विश्व इस समय कोरोना संक्रमण की महामारी से जूझ रहा है, यद्यपि विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी देश भी अभी कोई वैकसीन नही बना पाये हैं। चीन के वुहान शहर में दिसंबर 2019 के मध्य से शुरू हुआ कोरोना वायरस, अब तक 170 से ज्यादा देशों में कोराना संक्रमण की संख्या 475,879 पहुंच गई है, जिनमें मुख्यत: थाईलैंड, ईरान, इटली, स्पेन, जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और संयुक्त अरब अमीरात आदि शामिल हैं| इसके संक्रमण से मरने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ रही है और वर्तमान में 26 मार्च तक 21,367 हो गई है, जबकि 22 मार्च तक यह संख्या 11,401 थी| सबसे अधिक मौते 25 मार्च तक इटली में 7503, स्पेन में 3647, चीन में 3287, इरान में 2077, फ्रांस में 1331, अमेरिका में 1036 तथा भारतवर्ष में 11 है। आजतक स्वस्थ हुये व्यक्तियों की संख्या 1,14.822 है। भारतवर्ष की आज 26 मार्च 2020 साय 7:00 बजे की स्थिति : कुल संक्रमित 712 जिसमे 59 नये जुडे, मृत संख्या 14, और स्वस्थ हुये व्यक्तियों की संख्या 45।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने इसे महामारी घोषित कर दिया है और इससे बचने के लिये सात (07) आसान स्टेप्स बताए हैं । जिनकी मदद से कोरोना वायरस को फैलने से रोका जा सकता है और खुद को भी इसके इंफेक्शन से बचाया जा सकता है । स्वा स्य्सम मंत्रालय ने कोरोना वायरस से बचने के लिए जारी दिशानिर्देश के मुताबिक- हाथों को साबुन से धोना चाहिए। अल्को हल आधारित हैंड रब का इस्ते माल भी किया जा सकता है। खांसते और छीकते समय नाक और मुंह रूमाल या टिश्यू े पेपर से ढककर रखें। जिन व्यक्तियों में कोल्डम और

फ्लू के लक्षण हों उनसे दूरी बनाकर रखें। कोल्डी और फ्लू के लक्षण मिलने पर जाँच करायें। अंडे और मांस के सेवन से बचें। जंगली जानवरों के संपर्क में आने से बचें। दुनिया भर की सरकारें कोरोना वायरस को लेकर लोगों को जागरूक करने पर ध्यान दे रही हैं| विशेषज्ञों का कहना है इस कोरोना संक्रमण को फैलने से रोककर ही इसे काबू में किया जा सकता है| इसके लक्षणों को पहचानकर ही कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति से दूरी बनाकर अथवा आइसोलेशन सेंटर में रखकर ही बेहतर तरीके से रोकथाम की जा सकती है|

ब्रिटिश के 71 वर्षीय राजकुमार चार्ल्स और डचेस कोरोना संक्रमित

जब विश्व कोराना की वैश्विक महामारी से भीषण रूप से जूझ रहा है, तब भारतवर्ष के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता कर्फ़ू की सफलता और जन-मानस के भागीदारी को देखते हुये 24 मार्च से 21-दिन के लिये देश के सभी प्रदेशो में लाक–डाउन को, कर्फ़ू से अधिक मान्यता देते हुये, पालन करने की जनता से अपील की है। निस्चित ही यह मानवता की सुरक्षा के लिये तथा आपके परिवार व परिजनो के जीवन की सुरक्षा के लिये वरदान साबित होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने श्री नरेंद्र मोदी के इस कदम की सराहना की है। आइये इस उद्देश्य का पूर्ण समर्थन दें ।

आज जब सम्पूर्ण शिक्षण संस्थाएं, सरकारी/ गैर-सरकारी संस्थाएं, कार्यालय तथा सभी यातायात सेवाये बंद कर दी गई है, लोगों को घरों तक सीमित कर दिया गया है, तो आवश्य वस्तुओ को मुहैया कराना, दैनिक कार्यरत मजदूरो के भरण पोषण, 21-दिन के लाक–डाउन को पालन कराना सरकार के लिये एक बडी चुनौती है। छोटी सी चूक ने आज इटली, स्पेन, ईरान आदि को लाक–डाउन की घोषणा में देरी से उन्हें कोराना संक्रमण की महामारी क़े काल ग्रसित कर लिया है और उन्हे संक्रमणग्रस्त व्यक्तियों के मृत्यु दर को नियंत्रित करना कठिन हो गया है। स्पेन के प्रधान मंत्री हतासा की स्थिति से गुजर रहे है और केवल इस महामारी पर ईश्वर अथवा प्रह्मांड से अपने देशवासियो को बचाने की प्रार्थना कर रहे हैं।

आज की इस विषम स्थिति में, भारत सरकार ने कई महत्वपूर्ण घोषणाये की है जिसमे मुख्यतः गरीबी रेखा से नीचे के परिवारो को 3-माह तक मुफ्त गैस सिलिडर, 35 किलो राशन, 2 रुपये प्रति किलोग्राम गेहू व 3 रुपये प्रति किलोग्राम चावल, रु.15,000 प्रतिमाह से कम वेतनभोगी को 3-माह तक ई.पी.एफ. का भुगतान (12 फीसदी कर्मचारी व 12 फीसदी न्योक्ता का शेयर) सरकार द्वारा किये जाने एवं रुपये 15,000 प्रतिमाह से अधिक के वेतनभोगी कर्मियो को जमा ई.पी.एफ. अथवा 3-माह के वेतन जोभी कम होगा, निकालने की सुविधा आदि प्रदान की गई है, जो स्वागत योग्य है। ऐसे समय में, कई स्वंयसेवी संस्थाएं भी दिहाड़ी मजदूरों, रिक्सा चालको आदि के भरण-पोषण का जिम्मा उठा रखा है, यह देश प्रेम तथा मानवता के प्रति उनकी जिम्मेदारी दर्शाता है।

आज जब हमारा देश 130 करोड़ की आवादी का देश है तो ऐसी विषम प्रस्थितियो में कठिनाई भी उतनी बडी है । इस समय जिस महामारी के समय से हम गुजर रहे है, सभी भारत के निवासियो का यह कर्तब्य व राष्ट्र धर्म है कि हम लाक–डाउन के नियमों का पालन करें और लोगो को इसके कठोर ढंग से पालन करने हेतु प्रेरित करे। चूंकि देश हमारा है, देश पर विपत्ति के पल में भी मजबूती से खड़ा होना हमारा धर्म है। मानवता जिंदा रहेगी तो सृष्टि भी चलती रहेगी। अतः हमारा कर्तब्य है कि हम लाक–डाउन के नियमों का पालन करते हुये अपने को सुरक्षित रखे और किसी को भी जनता में भ्रामक स्थिति फैलाने न दे। मेरे विचार से सम्पूर्ण देश में एक साथ लाक–डाउन लाना एक बहुत महत्व पूर्ण कदम है, जिसका स्वागत सभी को करना चाहिये।

***